दिनाँक 16 मार्च, 2016 को अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ के पर्यावरण–क्लब **"धरती–मित्र"** के तत्वावधान में अन्तः महाविद्यालय स्तर पर भाषण, स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य विषय थे– "जल है तो कल है", वृक्ष हैं धरा के आभूषण", "सौर ऊर्जा", "वन्य–जीवन का संरक्षण" और "ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत". इस आयोजन में आस–पास के महाविद्यालय जिनमें सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल, राजकीय महाविद्यालय तिगाँव, नेहरु महाविद्यालय, फरीदाबाद, के.एल. मेहता दयानन्द महाविद्यालय फरीदाबाद, राजकीय महिला महाविद्यालय सैक्टर– 16 फरीदाबाद, माँ ओमवती महाविद्यालय हसनपुर की टीमों ने भाग लिया. पोस्टर मेकिंग मे प्रथम स्थान कृष्णा (सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल) द्वितीय स्थान शिवानी (पं0 जवाहर लाल नेहरु महाविद्यालय, फरीदाबाद) तृतीय स्थान पर नेहा पाल (के.एल. मेहता महाविद्यालय, फरीदाबाद) व सांत्वना पुरस्कार पुष्पा (राजकीय महिला महाविद्यालय) ने प्राप्त किया. स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गीतिका गोयल (अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़) द्वितीय स्थान हेमलता (अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजूकेशन, बल्लबगढ़) तथा तृतीय स्थान प्रतीक्षा (अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़)ने प्राप्त किया. भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोहित (राजकीय महाविद्यालय, तिगाँव), द्वितीय स्थान मीनू (सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल) तथा तृतीय स्थान शिवानी (नेहरु महाविद्यालय, फरीदाबाद) ने प्राप्त किया. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल की टीम को चल विजयोपहार से सम्मानित किया गया.

कॉलेज प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता ने इस कार्यक्रम के विषय में बताया कि "पर्यावरण संरक्षण आज हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यदि पर्यावरण के सभी अंग– जल, वायु, धरती, वृक्ष, वन्य–जीव आदि में पर्याप्त संतुलन बना रहेगा, तभी मानव–जीवन भी सुखमय होगा. अंधाधुंध विकास की दौड़ में हमने पर्यावरण के प्रति अपने दायित्व को भुला दिया है, जिसका दुष्परिणाम हम अति वृष्टि और अनावृष्टि के रुप में भुगत रहे हैं. आइए धरती के मित्र बनकर

उसके प्रति सजग हों.

मुख्यातिथि सेवानिवृत प्रवक्ता डॉ0 ज्योत्सना ने अपने वक्तव्य में कहा कि जल ही जीवन की शान है, यहीं सृष्टि का प्राण है. यदि पर्यावरण को प्रदुषित होने से बचाना है तो संसाधनों का अधिकतम प्रयोग नहीं करना चाहिए. डॉ0 नीलम शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को पर्यावरण सुरक्षित करने का दृढ़ संकल्प करना चाहिए.

मंच संचालन डॉ0 रेनू माहेश्वरी ने किया. हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द ने धन्यवाद ज्ञापन द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ.

निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ0 ज्योत्सना सिंह, डॉ0 नीलम दिनकर व वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती कमल टंडन ने निभाई.

इस अवसर पर महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रमाध्यक्ष श्री रविन्द्र जैन, श्रीमती रितु, डॉ0 रेखा सैन व महिला प्रकोष्ठ के संयोजिका श्रीमती शोभना गोयल, संस्कृत विभागाध्यक्ष श्रीमती मंजू गुप्ता, डॉ0 विनोद राठी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा.